

**गुजराती** पुं. (तद्.) गुजरात का निवासी, गुजरात में रहने वाला **वि.** (तत्.) गुजरात का, गुजरात का बना **स्त्री.** (तत्.) 1. गुजरात देश की भाषा 2. छोटी इलाचयी।

**गुजेर** पुं. (फा.) 1. जीवन निर्वाह, गति प्रयो. इस तरह गुजर करना बहुत कठिन है 2. आने-जाने, निकलने का द्वार या मार्ग प्रयो. इस कमरे में हवा का गुजर नहीं है 3. पहुँच, पैठ, प्रवेश।

**गुजेरान** पुं. (फा.) निर्वाह, गुजर।

**गुजरानना** स.क्रि. (देश.) 1. उपस्थित करना 2. बिताना, व्यतीत करना।

**गुजरिया** स्त्री. (देश.) दे. गूजरी, गूजर जाति की स्त्री, ग्वालिन, गोपी।

**गुजरी** स्त्री. (तद्.) 1. कलाई में पहनने की एक पहुंची 2. दीपक राग की एक रागिनी, शाम को सड़क या मार्ग के किनारे लगने वाला बाज़ार।

**गुजरेटा** पुं. (देश.) 1. गूजर का पुत्र 2. गूजर जाति का व्यक्ति, ग्वाला।

**गुजरेटी** स्त्री. (देश.) गूजर-कन्या, गूजरी, ग्वालिन।

**गुजायमान** वि. (तद्.) 1. मधुर ध्वनि करता हुआ, गूँजता हुआ।

**गुज़ार** वि. (फा.) समासांत में गुजारने वाला, करने वाला, अदा करने वाला प्रयो. वह आपका शुक्र गुज़ार है।

**गुज़ारा** पुं. (फा.) 1. गुजर, निर्वाह 2. जीवन निर्वाह के लिए दी जाने वाली वृत्ति 3. नाव या घाट की उतराई 4. मार्ग 5. घाट।

**गुज़ारिश** स्त्री. (फा.) निवेदन, अर्जी, प्रार्थना।

**गुजी** स्त्री. (देश.) नाक का सूखा हुआ मल, नकटी।

**गुज्जरी** स्त्री. (तद्.) 1. गूजरी 2. भैरव राग की स्त्री।

**गुज्झा** पुं. (तद्.) 1. बाँस की कील 2. गोड़ा 3. रेशेदार गूदा 4. एक प्रकार की कंटीली घास।

**गुज़राँट** पुं. (देश.) 1. कपड़े की सिकुड़न, शिकन, सिलवट 2. स्त्रियों की नाभि के आस-पास का भाग।

**गुझिया** स्त्री. (तद्.) मैदे की कुसली में मेवा, खोया आदि डाल कर बनाया हुआ पकवान, खोये की बनी एक मिठाई।

**गुट** पुं. (अनु.) कबूतरों के बोलने का स्वर (तद्.) 1. विशेष अभिप्राय से बनाया हुआ दल 2. झुंड, समूह।

**गुटकना** अ.क्रि. (अनु.) कबूतर का मस्त होकर गुटरगूँ करना स.क्रि. (तत्.) 1. निगलना 2. खा जाना।

**गुटका** पुं. (तद्.) 1. छोटे आकार की पुस्तक 2. लट्ठ 3. पान में खाने का एक मसाला 4. गुपचुप नाम की मिठाई।

**गुटकाना** स.क्रि. (अनु.) 1. बजाना 2. गुट की ध्वनि करना।

**गुटकी** स्त्री. (तद्.) दे. गुटिका।

**गुट निरपेक्ष** वि. (तत्.) वह व्यक्ति या राष्ट्र जो किसी गुट में न हो।

**गुटबंदी** स्त्री. (हि.+फा.) 1. कुछ लोगों का आपस में मिलकर छोटा-सा दल बनाना 2. किसी संस्था में विरोध या स्वार्थ के आधार पर अलग लोगों का गुट बनाना।

**गुटरगूँ** स्त्री. (अनु.) कबूतरों की बोली।

**गुटिका** स्त्री. (तत्.) 1. वाटिका, वटी, गोली 2. एक सिद्धि।

**गुट्ट** पुं. (तत्.) झुंड, दल, यूथ प्रयो. उन लोगों ने अपना अलग गुट्ट बना लिया है।

**गुठल** वि. (तत्.) 1. जिसमें बड़ी गुठली हो 2. जड़, मूख, कूढ़ मगज 3. गुठली के आकार का।

**गुट्टा** पुं. (देश.) लाख की चौकोर गोटी जिनसे लडकियाँ खेलती हैं वि. छोटे कद का, नाटा, ठिंगना।

**गुट्ठी** स्त्री (तद्.) मोटी गांठ, पैरकान्द, टखना।

**गुठला** पुं. (तद्.) 1. बड़ी गुठली 2. अंगूठे में पहनने का आभूषण वि. कुंठित, भोथरा।